CHISHTY FOUNDATION

DARGAH AJMER SHARIF

MEDIA COVERAGE

Canada Literature Festival 2026

Mississauga • Toronto • Ontario • Canada

May 13 – 18, 2026

Haji Syed Salman Chishty

26th Generation Gaddi Nashin

Dargah Hazrat Khwaja Moinuddin Chishty (R.A), Ajmer Sharif

Chairman — Chishty Foundation

"Raise your words, not your voice. It is rain that grows flowers, not thunder."

— Maulana Rumi

The historic participation received widespread media coverage across national and international publications in English, Hindi, and Urdu — reflecting the global resonance of the Chishti Sufi message of peace, unity, and interfaith harmony.

10 Publications • 3 Languages • 1 Message

LOVE TOWARDS ALL, MALICE TOWARDS NONE

SPIRITUAL DIALOGUE

Haji Syed Salman Chishty, Chairman of the Chishty Foundation and 26th-generation Gaddi Nashin of the Dargah of Hazrat Khwaja Moinuddin Chishty, represented India's 800-year-old Sufi heritage at the Canada Literature Festival (CLF) 2026 held from May 13 to 18 in Mississauga and Toronto, Canada. The event featured interfaith discussions, spiritual discourse and the Canadian release of Seeking the Infinite by Yakub Mathew. The program was attended by Dinesh K Patnaik and Mahaveer Singhvi. Chishty also addressed "A Confluence of Faiths: Seeking the Infinite" at Apollo Convention Centre and presented an evening of Sufi poetry at Noel Ryan Theatre, promoting peace, unity and interfaith harmony through the Chishty Sufi tradition.

"Spiritual Dialogue" — National English Daily

Featuring CLF 2026 book presentation ceremony and full-house Gala Dinner audience

"Let yourself be silently drawn by the strange pull of what you really love."

— Maulana Rumi

7:11 5G 25

SALAR-ENGLISH-20-5-2026 Done

swift action to ensure their safe release.

The rally began from Makhan village and concluded at Namdilong village gate, with protesters carrying placards and raising slogans seeking urgent intervention from both the Centre and the state abducted civilians.

"We urge both the state and central governments to take immediate action. Any further delay in rescuing hostages will escalate the situation." she added. Tuimai claimed that there was "solid proof" of abduction. —*ANI*

THE HOLY PRESENCE

Haji Syed Salman Chishty, the 26th-generation Gaddi Nashin of the sacred Dargah of Hazrat Khwaja Moinuddin Chishty (L) in Ajmer Sharif and Chairman of the Chishty Foundation, made a historic appearance at the Canada Literature Festival (CLF) 2026, held from 13-18 May in Mississauga and Toronto, Ontario - SALAR

Probe report on justice Verma given to LS Speaker

NEW DELHI, 19 MAY

next time Parliament is likely

SALAR English — 20 May 2026 — "The Holy Presence"

Poetry of Presence at Noel Ryan Theatre — in-conversation with Prof Prabhu Guptara

"The art of knowing is knowing what to ignore."

— Maulana Rumi

हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने सीएलएफ में की शिरकत

कनाडा लिटरेचर फेस्टिवल में गूंजी 800 साल पुरानी सूफी विरासत

बेधड़क | जयपुर

अजमेर शरीफ स्थित हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (र.) की दरगाह के 26वीं पीढ़ी के गद्दीनशीन व चिश्ती फाउंडेशन चेयरमैन हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने कनाडा लिटरेचर फेस्टिवल (सीएलएफ) में शिरकत की। 13 से 18 मई तक मिसिसॉगा और टोरंटो, ओंटारियो में हुए आयोजन में उनकी सहभागिता में अंतरधार्मिक पैनल चर्चाएं, याकूब मैथ्यू की पुस्तक 'सीकिंग द इनफिनिट' का कनाडाई विमोचन तथा सूफी कविता व आध्यात्मिक संवाद की संध्या शामिल रही।

इन कार्यक्रमों ने भारत की 800 वर्ष पुरानी सूफी विरासत, कनाडा की बहुसांस्कृतिक भावना और शांति, एकता व अंतरधार्मिक सद्भाव की साझा दृष्टि को साथ प्रस्तुत किया। कनाडा में भारत के उच्चायुक्त महामहिम दिनेश के. पटनायक तथा टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूत महावीर सिंहवी भी उपस्थित रहे। प्रमुख आकर्षण याकूब मैथ्यू लिखित बहुधार्मिक कॉफी-टेबल बुक 'सीकिंग द इनफिनिटः महाकुंभ-2025' का कनाडाई विमोचन रहा, जिसमें 50 से अधिक वैश्विक विचारकों के विचार शामिल हैं। चर्चा में अंतरधार्मिक संवाद, आध्यात्मिक एकता और जीवन के अर्थ की सार्वभौमिक खोज जैसे विषयों पर विचार-विमर्श हुआ। कार्यक्रम टोरंटो में भारतीय प्रवासी समुदाय की विशिष्ट उपस्थिति के बीच आयोजित किया गया।

सलमान चिश्ती ने मिसिसॉगा स्थित अपोलो कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में विशेष वक्ता के रूप में भाग लिया। इस अवसर पर याकूब मैथ्यू, लामा आरिया ड्रोल्मा, राकेश कौल और हैरी मान जैसे विशिष्ट वक्ता मौजूद रहे, जबकि कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर प्रभु गुप्तारा ने पैनल का संचालन किया। सीएलएफ-2026 के एक अन्य वेन्यू नोएल रायन थिएटर, मिसिसॉगा में हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने सूफी कविताओं और आध्यात्मिक विचारों से सजी विशेष संध्या प्रस्तुत की, जिसने कनाडाई श्रोताओं को जीवंत चिश्ती सूफी सिलसिले और उसकी रहस्यवादी परंपरा का प्रत्यक्ष अनुभव कराया।

Bedharak, Jaipur — "[redacted] 800 [redacted]"

गोल्डन टाइम्स,रुड़की | 20.05.2026 | 2

कनाडा साहित्य महोत्सव में गूंजी अजमेर शरीफ की सूफी विरासत

हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने अंतरधार्मिक सद्भाव और शांति का दिया संदेश

गोल्डन टाइम्स

रुड़की/अजमेर, (आरिफ नियाजी)। अजमेर शरीफ स्थित हजरत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती (र.अ.) की पवित्र दरगाह के 26वीं पीढ़ी के गद्दीनशीन एवं चिश्ती फाउंडेशन के चेयरमैन हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने कनाडा साहित्य महोत्सव 2026 में ऐतिहासिक सहभागिता करते हुए भारत की 800 वर्ष पुरानी सूफी विरासत, अंतरधार्मिक सौहार्द और वैश्विक शांति का संदेश पूरी दुनिया तक पहुंचाया। यह महोत्सव 13 से 18 मई के बीच मिसिसॉगा और टोरंटो, ओंटारियो में आयोजित किया गया।

महोत्सव के दौरान हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने अंतरधार्मिक पैनल चर्चाओं, सूफी कविता और आध्यात्मिक संवाद की विशेष संध्या तथा याकूब मैथ्यू की चर्चित पुस्तक "अनंत की खोज" के कनाडाई विमोचन में भाग लिया। इन आयोजनों में भारत और कनाडा की साझा सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक विरासत को एक मंच पर प्रस्तुत किया गया, जहां शांति, एकता और आपसी सद्भाव का संदेश प्रमुखता से उभरा। कार्यक्रम में कनाडा में भारत के उच्चायुक्त महामहिम दिनेश के. पटनायक तथा टोरंटो में भारत के महावाणिज्यदूत महावीर सिंहवी की

मौजूदगी ने भारत–कनाडा सांस्कृतिक संबंधों को नई मजबूती प्रदान की। दोनों राजनयिकों ने सांस्कृतिक कूटनीति और अंतरधार्मिक संवाद को दोनों देशों के मजबूत रिश्तों की अहम कड़ी बताया। महोत्सव का मुख्य आकर्षण याकूब मैथ्यू की बहुधार्मिक कॉफी–टेबल पुस्तक "अनंत की खोज रू महाकुंभ 2025" का कनाडाई विमोचन रहा। इस पुस्तक में दुनिया भर के 50 से अधिक विचारकों के विचार शामिल हैं। विमोचन के बाद आयोजित पैनल चर्चा में आध्यात्मिक एकता, अंतरधार्मिक संवाद और जीवन के सार्वभौमिक अर्थ जैसे विषयों पर विस्तृत विचार–विमर्श किया गया। मिसिसॉगा स्थित अपोलो कन्वेंशन सेंटर में आयोजित "आस्थाओं का संगम रू अनंत की खोज" कार्यक्रम में हाजी सैयद सलमान चिश्ती मुख्य वक्ता रहे। उनके साथ याकूब मैथ्यू, लामा आरिया ड्रोल्मा, राकेश कौल और हैरी मान जैसे प्रतिष्ठित वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। इस अंतरधार्मिक चर्चा का संचालन कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय के प्रसिद्ध प्रोफेसर प्रभु गुप्तारा ने किया।

कनाडा साहित्य महोत्सव 2026 के अंतर्गत मिसिसॉगा के प्रतिष्ठित नोएल रायन थिएटर में आयोजित सूफी कविता और आध्यात्मिक विचारों की विशेष संध्या ने कनाडाई श्रोताओं को चिश्ती सूफी परंपरा और उसकी रहस्यवादी विरासत से रूबरू कराया। कार्यक्रम में सूफी संदेश "सबके प्रति प्रेम, किसी के प्रति द्वेष नहीं" को विशेष रूप से रेखांकित किया गया।

हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने कहा कि चिश्ती सूफी परंपरा पिछले 800 वर्षों से मानवता, प्रेम और निःस्वार्थ सेवा का संदेश देती आ रही है। उन्होंने कहा कि अजमेर शरीफ से लेकर कनाडा तक यही संदेश पहुंचाया जा रहा है कि इंसानियत और मोहब्बत ही सच्चे आध्यात्मिक मार्ग की पहचान है।

वहीं लेखक याकूब मैथ्यू ने कहा कि "अनंत कोई ऐसी जगह नहीं जहां पहुंचना हो, बल्कि यह एक सत्य है जिसे अपने भीतर पहचानना होता है।" उन्होंने कहा कि टोरंटो में आयोजित यह कार्यक्रम इस बात का प्रमाण है कि आध्यात्मिक खोज किसी सीमा या धर्म तक सीमित नहीं है।

भारत के उच्चायुक्त दिनेश के. पटनायक ने कहा कि अंतरधार्मिक शांति और सद्भाव स्थायी द्विपक्षीय संबंधों की वास्तविक नींव हैं। उन्होंने भारत की आध्यात्मिक और रहस्यवादी परंपराओं को साझा वैश्विक मूल्यों का प्रतीक बताया। टोरंटो में भारत के महावाणिज्यदूत महावीर सिंहवी ने कहा कि अंतरधार्मिक संवाद और आध्यात्मिक सद्भाव जन–से–जन कूटनीति के सबसे मजबूत स्तंभ हैं। उन्होंने कहा कि कनाडा साहित्य महोत्सव 2026 में विभिन्न धर्मों और संस्कृतियों की आवाजों का एक मंच पर आना भारत–कनाडा संबंधों की गहराई को दर्शाता है।

महोत्सव आयोजकों ने कहा कि कनाडा साहित्य महोत्सव का उद्देश्य जाति, भाषा, धर्म और संस्कृति की सीमाओं से ऊपर उठकर ज्ञान, साहित्य और संवाद को बढ़ावा देना है। महोत्सव ने यह सिद्ध कर दिया कि साहित्य और आध्यात्मिक संवाद वैश्विक शांति तथा सभ्यतागत संबंधों को मजबूत करने के प्रभावी माध्यम बन सकते हैं।

Golden Times, Roorkee — 20 May 2026 — Full-Page Feature

"[redacted]"

कनाडा लिटरेचर फेस्टिवल 2026 में गूंजा सूफी संदेश, हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने दिया अमन और मोहब्बत का पैगाम

गोरखपुर। दरगाह अजमेर शरीफ के 26वीं पीढ़ी के गद्दी नशीन एवं चिश्ती फाउंडेशन के अध्यक्ष हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने कनाडा लिटरेचर फेस्टिवल (सीएलएफ) 2026 में भाग लेकर विश्व मंच पर भारत की 800 वर्ष पुरानी सूफी परंपरा का संदेश दिया। 13 से 18 मई तक मिसिसॉगा और टोरंटो, ओंटारियो में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में उन्होंने अमन, भाईचारा और अंतरधार्मिक सद्भाव का संदेश प्रस्तुत किया।

हजरत मुबारक खान शहीद कमेटी के अध्यक्ष इकरार अहमद ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सूफी संतों ने हमेशा दुनिया को मोहब्बत और इंसानियत का पैगाम दिया है। उन्होंने कहा कि हाजी सैयद सलमान चिश्ती विदेशों में भारतीय सूफी संस्कृति और गंगा-जमुनी तहजीब को नई पहचान दिला रहे हैं।

फेस्टिवल के दौरान हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने 'ए

कॉन्फ्लुएंस ऑफ फेथ्सः सीकिंग द इनफिनिट' नामक अंतरधार्मिक पैनल चर्चा में विशेष वक्ता के रूप में भाग लिया। इस कार्यक्रम में याकूब मैथ्यू, लामा आरिया ड्रोल्मा, राकेश कौल और हैरी मान सहित कई अंतरराष्ट्रीय वक्ता मौजूद रहे। चर्चा में आध्यात्मिक एकता, मानवता और जीवन के गहरे अर्थों पर विचार-विमर्श हुआ।

फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण याकूब मैथ्यू की पुस्तक 'सीकिंग द इनफिनिटः महा कुंभ 2025' का कनाडाई विमोचन रहा। इस अवसर पर कनाडा में भारत के उच्चायुक्त दिनेश के. पटनायक और टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूत महावीर सिंघवी भी मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने भारत और कनाडा के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को मजबूत बनाने में ऐसे आयोजनों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया।

मिसिसॉगा के नेल रायन थिएटर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने सूफी कविता और आध्यात्मिक प्रवचन प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि चिश्ती सूफी परंपरा सदियों से प्रेम, सेवा और मानवता का संदेश देती आ रही है तथा यही संदेश आज पूरी दुनिया को जोड़ने का सबसे बड़ा माध्यम है।

Gorakhpur Daily — "[redacted] 2026 [redacted]"

Full coverage with Poetry of Presence banner and book ceremony — "[redacted]"

"The wound is the place where the Light enters you."

— Maulana Rumi

कनाडा लिटरेचर फेस्टिवल 2026 में गूंजा सूफी संदेश,हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने दिया अमन और मोहब्बत का पैगाम

अवध नगरी संवाददाता

गोरखपुर। दरगाह अजमेर शरीफ के 26 वीं पीढ़ी के गद्दी नशीन एवं चिश्ती फाउंडेशन के अध्यक्ष हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने कनाडा लिटरेचर फेस्टिवल (सीएलएफ) 2026 में भाग लेकर विश्व मंच पर भारत की 800 वर्ष पुरानी सूफी परंपरा का संदेश दिया। 13 से 18 मई तक मिसिसॉगा और टोरंटो,ओंटारियो में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में उन्होंने अमन,भाईचारा और अंतरधार्मिक सद्भाव का संदेश प्रस्तुत किया। हजरत मुबारक खान शहीद कमेटी के अध्यक्ष इकरार अहमद ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सूफी संतों ने हमेशा दुनिया को मोहब्बत और इंसानियत का पैगाम दिया है। उन्होंने कहा कि हाजी सैयद सलमान चिश्ती विदेशों में भारतीय सूफी संस्कृति और गंगा–जमुनी तहजीब को नई पहचान दिला रहे

सलमान चिश्ती ने "ए कॉन्फ्लुएंस ऑफ QsFl: सीकिंग द इनफिनिट" नामक अंतरधार्मिक पैनल चर्चा में विशेष वक्ता के रूप में भाग लिया। इस कार्यक्रम में याकूब मैथ्यू,लामा आरिया

ड्रोल्मा,राकेश कौल और हैरी मान सहित कई अंतरराष्ट्रीय वक्ता मौजूद रहे।चर्चा में आध्यात्मिक एकता,मानवता और जीवन के गहरे

फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण याकूब मैथ्यू की पुस्तक "सीकिंग द इनफिनिटरू महा कुंभ 2025" का कनाडाई विमोचन रहा। इस अवसर पर कनाडा में भारत के उच्चायुक्त दिनेश के.पटनायक और टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूत महावीर सिंघवी भी मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने भारत और कनाडा के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को मजबूत बनाने में ऐसे आयोजनों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। मिसिसॉगा के नेल रायन थिएटर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने सूफी कविता और आध्यात्मिक प्रवचन प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि चिश्ती सूफी परंपरा सदियों से प्रेम,सेवा और मानवता का संदेश देती आ रही है तथा यही संदेश आज पूरी दुनिया को जोड़ने

Awadh Nagari, Gorakhpur — Comprehensive Full-Page Coverage

"[redacted]" — Poetry of Presence & CLF 2026

"Where there is ruin, there is hope for a treasure."

— Maulana Rumi

कनाडा लिटरेचर फेस्टिवल में गूंजा सूफी संदेश

हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने दिया अमन और मोहब्बत का पैगाम

गोरखपुर (विधान केसरी)। दरगाह अजमेर शरीफ के 26वीं पीढ़ी के गद्दी नशीन एवं चिश्ती फाउंडेशन के अध्यक्ष हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने कनाडा लिटरेचर फेस्टिवल सीएलएफ 2026 में भाग लेकर विश्व मंच पर भारत की 800 वर्ष पुरानी सूफी परंपरा का संदेश दिया। 13 से 18 मई तक मिसिसॉगा और टोरंटो, ओंटारियो में आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय आयोजन में उन्होंने अमन, भाईचारा और अंतरधार्मिक सद्भाव का संदेश प्रस्तुत किया। हजरत मुबारक खान शहीद कमेटी के अध्यक्ष इकरार अहमद ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सूफी संतों ने हमेशा दुनिया को मोहब्बत और इंसानियत का पैगाम दिया है। उन्होंने कहा कि हाजी सैयद सलमान चिश्ती विदेशों में भारतीय सूफी संस्कृति और गंगा-जमुनी तहजीब को नई पहचान दिला रहे हैं। फेस्टिवल के दौरान हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने ए कॉन्फ्लुएंस ऑफ फेथ्स सीकिंग द इनफिनिट नामक अंतरधार्मिक पैनल चर्चा में विशेष वक्ता के रूप में भाग लिया। इस कार्यक्रम में याकूब मैथ्यू, लामा आरिया ड्रोल्मा, राकेश कौल और हैरी मान सहित कई अंतरराष्ट्रीय वक्ता मौजूद रहे। चर्चा में आध्यात्मिक एकता, मानवता और जीवन के गहरे अर्थों पर विचार-विमर्श हुआ। फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण याकूब मैथ्यू की पुस्तक सीकिंग द इनफिनिट महा कुंभ 2025 का कनाडाई विमोचन रहा। इस अवसर पर कनाडा में भारत के उच्चायुक्त दिनेश के. पटनायक और टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूत महावीर सिंघवी भी मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने भारत और कनाडा के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को मजबूत बनाने में ऐसे आयोजनों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। मिसिसॉगा के नेल रायन थिएटर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने सूफी कविता और आध्यात्मिक प्रवचन प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि चिश्ती सूफी परंपरा सदियों से प्रेम, सेवा और मानवता का संदेश देती आ रही है तथा यही संदेश आज पूरी दुनिया को जोड़ने का सबसे बड़ा माध्यम है।

Vidhan Kesari, Gorakhpur — "[redacted]"

"[redacted]" — full event coverage

कनाडा लिटरेचर फेस्टिवल में गूंजा सूफी संदेश, दिया गया अमन और मोहब्बत का पैगाम

गोरखपुर।(स्पष्ट आवाज)। दरगाह अजमेर शरीफ के 26वीं पीढ़ी के गद्दी नशीन एवं चिश्ती फाउंडेशन के अध्यक्ष हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने कनाडा लिटरेचर फेस्टिवल (सीएलएफ) 2026 में भाग लेकर विश्व मंच पर भारत की 800 वर्ष पुरानी सूफी परंपरा का संदेश दिया। 13 से 18 मई तक मिसिसॉगा और टोरंटो, ओंटारियो में आयोजित इस अंतराष्ट्रीय आयोजन में उन्होंने अमन, भाईचारा और अंतरधार्मिक सद्भाव का संदेश प्रस्तुत किया।

हजरत मुबारक खान शहीद कमेटी के अध्यक्ष इकरार अहमद ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सूफी संतों ने हमेशा दुनिया को मोहब्बत और इंसानियत का पैगाम दिया है। उन्होंने कहा कि हाजी सैयद सलमान चिश्ती विदेशों में भारतीय सूफी संस्कृति और गंगा-जमुनी तहजीब को नई पहचान दिला रहे हैं। फेस्टिवल के दौरान हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने +ए कॉन्फ्लुएंस ऑफ फेथ्स- सीकिंग द इनफिनिट+ नामक अंतरधार्मिक पैनल चर्चा में विशेष वक्ता के रूप में भाग लिया। इस कार्यक्रम में याकूब मैथ्यू, लामा आरिया ड्रोल्मा, राकेश कौल और हैरी मान सहित कई अंतराष्ट्रीय वक्ता मौजूद रहे। चर्चा में आध्यात्मिक एकता, मानवता और जीवन के गहरे अर्थों पर विचार-विमर्श हुआ। फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण याकूब मैथ्यू की पुस्तक +सीकिंग द इनफिनिटः महा कुंभ 2025+ का कनाडाई विमोचन रहा। इस अवसर पर कनाडा में भारत के उच्चायुक्त दिनेश के. पटनायक और टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूत महावीर सिंघवी भी मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने भारत और कनाडा के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को मजबूत बनाने में ऐसे आयोजनों की भूमिका को महत्वपूर्ण बताया। मिसिसॉगा के नेल रायन थिएटर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने सूफी कविता और आध्यात्मिक प्रवचन प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि चिश्ती सूफी परंपरा सदियों से प्रेम, सेवा और मानवता का संदेश देती आ रही है तथा यही संदेश आज पूरी दुनिया को जोड़ने का सबसे बड़ा माध्यम है।

SA स्पष्ट आवाज़ — गोरखपुर

Spasht Awaaz, Gorakhpur — "[redacted]"

"Sufi message of peace and love echoes at Canada Literature Festival 2026"

کناڈا لٹریچر فیسٹیول ۲۰۲۶ میں گونجا صوفی پیغام

گورکھپور۔(نامہ نگار)۔درگاہ اجمیر شریف کے ۲۶ویں پشت کے گدی نشین اور چشتی فاؤنڈیشن کے صدر حاجی سید سلمان چشتی نے کناڈا لٹریچر فیسٹیول (سی ایل ایف)۲۰۲۶ میں شرکت کرکے عالمی اسٹیج پر ہندوستان کی ۸۰۰ برس پرانی صوفی روایت کا پیغام دیا۔ ۱۳ سے ۱۸ر مئی تک مسی ساگا اور ٹورنٹو ،اوٹاریو میں منعقد اس عالمی انعقاد میں انہوں نے امن بھائی چارہ اور بین مذہبی یکجہتی کا پیغام پیش کیا۔حضرت مبارک خاں شہید کمیٹی کے صدر اکرار احمد نے خوشی ظاہر کرتے ہوئے کہا کہ صوفیوں نے ہمیشہ دنیا کو محبت اور انسانیت کا پیغام دیا ہے۔انہوں نے کہا کہ حاجی سید سلمان چشتی غیر ممالک میں ہندوستانی صوفی ثقافت اور گنگا جمنی تہذیب کونئی شناخت دلا رہے ہیں۔

فیسٹیول کے دوران حاجی سید سلمان چشتی نے ’اے کان فلونس آف فیکس: سیکنگ دی انفنیٹی‘ نام کے بین مذاہب پینل گفتگو میں مقرر خاص کے طور پر حصہ لیا۔اس پروگرام میں یعقوب میتھو ،لاما آریا ڈرولما ،راکیش کول اور ہیری مان سمیت کئی عالمی مقرر موجود رہے۔

چرچہ میں روحانی ایکتا انسانیت اور زندگی کے گہرے معنوں پر غور وفکر کی گئی ۔فیسٹیول کی اہم جاذبیت یعقوب میتھو کی کتاب ’سیکنگ دی انفنیٹی: مہاکمبھ ۲۰۲۵‘ کا کناڈائی اجرا رہا۔اس موقع پر کناڈا میں ہندوستان کے ہائی کمشنر دنیش کے پٹنائک موجود رہے۔

Nama Nigar, Gorakhpur — Urdu Daily — "■■■■■ ■■■■■■ ■■■■■■■ ■■■■ ■■■ ■■■■■ ■■■■ ■■■■■"

"Sufi message resonates at Canada Literature Festival 2026" — comprehensive Urdu language coverage

कनाडा लिटरेचर फेस्टिवल 2026 में गूंजा सूफी संदेश, हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने दिया अमन और मोहब्बत का पैगाम

मोहन धारा संवाददाता

गोरखपुर। दरगाह अजमेर शरीफ के 26वीं पीढ़ी के गद्दी नशीन एवं चिश्ती फाउंडेशन के अध्यक्ष हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने कनाडा लिटरेचर फेस्टिवल (सीएलएफ) 2026 में भाग लेकर विश्व मंच पर भारत की 800 वर्ष पुरानी सूफी परंपरा का संदेश दिया। 13 से 18 मई तक मिसिसॉगा और टोरंटो, ओंटारियो में आयोजित ... अंतरराष्ट्रीय आयोजन में उन्होंने अमन, भाईचारा और अंतरधार्मिक सद्भाव का संदेश प्रस्तुत किया।

हजरत मुबारक खान शहीद कमेटी के अध्यक्ष इकरार अहमद ने खुशी जाहिर करते हुए कहा कि सूफी संतों ने हमेशा दुनिया को मोहब्बत और इंसानियत का पैगाम दिया है। उन्होंने कहा कि हाजी सैयद सलमान चिश्ती विदेशों में भारतीय सूफी संस्कृति और ... पहचान दिला रहे हैं। फेस्टिवल के दौरान हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने "ए कॉन्फ्लुएंस ऑफ फेथ्सरू सीकिंग द इनफिनिट" नामक अंतरधार्मिक पैनल चर्चा में विशेष वक्ता के रूप में भाग लिया। इस कार्यक्रम में याकूब मैथ्यू लामा आरिया ड्रोल्मा, राकेश कौल और हैरी मान सहित कई अंतरराष्ट्रीय वक्ता मौजूद रहे। चर्चा में आध्यात्मिक एकता, मानवता और जीवन ... हुआ। फेस्टिवल का मुख्य आकर्षण याकूब मैथ्यू की पुस्तक "सीकिंग द इनफिनिटरू महा कुंभ 2025" का कनाडाई विमोचन रहा। इस अवसर पर कनाडा में भारत के उच्चायुक्त दिनेश के पटनायक और टोरंटो में भारत के महावाणिज्य दूत महावीर सिंघवी भी मौजूद रहे। दोनों अधिकारियों ने भारत और कनाडा के बीच सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को मजबूत ... को महत्वपूर्ण बताया। मिसिसॉगा के नेल रायन थिएटर में आयोजित विशेष कार्यक्रम में हाजी सैयद सलमान चिश्ती ने सूफी कविता और आध्यात्मिक प्रवचन प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने कहा कि चिश्ती सूफी परंपरा सदियों से प्रेम, सेवा और मानवता का संदेश देती आ रही है तथा यही संदेश आज पूरी दुनिया को जोड़ने का सबसे बड़ा ...ध्यम है।

Mohan Dhara — Hindi National Daily — "■■■■■■ ■■■■■ ■■■■■■"

Coverage across Gorakhpur and national Hindi press

"Travel brings power and love back into your life."

— Maulana Rumi

10 Publications • 3 Languages • 1 Message

LOVE TOWARDS ALL, MALICE TOWARDS NONE